

Time Allowed: 03 Hours

निर्धारित समय: 03 घंटे

Maximum Marks: 120

अधिकतम अंक: 120

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

प्रश्न पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions.

उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित निर्देशों को कृपया सावधानीपूर्वक पढ़ें ।

1. There are **EIGHT** questions printed in both English and Hindi in **TWO** Parts.  
आठ प्रश्नों को दो भागों में विभाजित किया गया है जो कि अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में छपे है ।
2. Candidate has to attempt **(06) SIX** questions in all either in English or Hindi by choosing at least **(03) THREE** questions from each part.  
उम्मीदवार को कुल छः प्रश्नों के उत्तर अंग्रेजी या हिन्दी में देने हैं । प्रत्येक भाग से कम से कम तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे ।
3. All questions carry equal marks. Each question will consist of 04 sub parts having 05 marks and word limit will be 150 words for each sub-part.  
सभी प्रश्नों के समान अंक हैं । प्रत्येक प्रश्न के चार उप भाग होंगे तथा प्रत्येक उप भाग के 05 अंक होंगे ।
4. Write answers in legible handwriting. Illustrate your answers with suitable sketches, diagrams and figures, wherever considered necessary.  
सुपाठ्य लिखावट में उत्तर लिखिए । जहां भी आवश्यक समझा जाए, वहाँ अपने उत्तरों को उपयुक्त रेखाचित्रों, आरेखों और आंकड़ों के साथ स्पष्ट कीजिए ।
5. Each part of the question must be answered in sequence and in the same continuation.  
प्रश्न के प्रत्येक भाग का उत्तर क्रमानुसार दिया जाए ।
6. Attempts of the questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in answer book must be clearly struck off.  
प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी । आंशिक रूप से दिए गए प्रश्नों के उत्तर को भी मान्यता दी जाएगी यदि उसे काटा नहीं गया हो । खाली छोड़े गए कोई भी पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए ।
7. In case of bilingual papers, if there is any difference in English and Hindi version of the question, the English version shall be treated as correct and final.  
द्विभाषी पेपर के मामले में, यदि प्रश्न के अंग्रेजी और हिन्दी संस्करण में कोई अंतर है, तो अंग्रेजी संस्करण को सही और अंतिम माना जाएगा ।

IMPORTANT NOTE:

महत्वपूर्ण नोट:

ANSWER ANY (03) THREE QUESTIONS FROM EACH PART.

प्रत्येक भाग में से किन्हीं (03) तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

**Part – I (भाग-I)**

**(60 Marks)**

Q. No. 1: Describe the following.

निम्न लिखित का वर्णन करें ।

- 1) Explain the Role of Kala Prakarsha in Ayurvedic Pharmaceutics with suitable examples.
- 2) What are the chemical changes undergoing in a material during shodhana process, explain with suitable examples.
- 3) What is the principle of XRD analysis and state its utility in Rasashastra?
- 4) Enumerate various physical and chemical properties of KantaLauha as per API, part 1, Volume VII.

- 1) आयुर्वेदीय औषध निर्माण शास्त्र में काल प्रकर्ष का महत्त्व उचित उदाहरण के साथ प्रतिपादित करें ।
- 2) शोधन प्रक्रिया में होने वाले रासायनिक परिवर्तनों को उचित उदाहरण के साथ समझाएं ।
- 3) XRD विश्लेषण का सिद्धांत एवं रसशास्त्र में उसकी उपयोगिता का वर्णन करें ।
- 4) आयुर्वेदिक फार्माकोपिया ऑफ़ इंडिया भाग १, खंड ७ के अनुसार कान्त लौह के भौतिक एवं रासायनिक गुणों का वर्णन करें।

Q. No. 2: Describe the following.

निम्न लिखित का वर्णन करें ।

- (1) Explain the context of MritaniLohaniRasibhavanti.
- (2) Write any 5 indications of AbhrakaBhasma as per different Anupana according to Rasatarangini.
- (3) Explain the contribution of Anandakanda in Rasashastra.
- (4) Explain the procedure of particle size determination for powders with the help of sieves.

- (1) मृतानिलोहानिरासीभवन्ति... इस सूत्र का ससन्दर्भ विश्लेषण करें ।
- (2) रसतरंगिणी के अनुसार अभ्रकभस्म के किन्ही ५ आमयिक प्रयोग रोगानुसार अनुपान सहित वर्णन करें।
- (3) आनंद कन्द का रसशास्त्र में योगदान स्पष्ट करें ।
- (4) चालनी द्वारा चूर्ण के कण आकार का निर्धारण करने की विधि का सविस्तार वर्णन करें ।

Q. No. 3: Describe the following.

निम्नलिखित का वर्णन करें ।

- (1) Explain the role of Sneha in relation to absorption of drug.
- (2) What is the area requirement for different sections of manufacturing as per Schedule T?
- (3) What are the contents of a standard monograph as per API?
- (4) Methods for determination of Shelf life for Ayurvedic drugs.

- (1) औषधि के अवशोषण में स्नेह की भूमिका को स्पष्ट करें ।
- (2) अनुसूची टी के अनुसार औषध निर्माण के विभिन्न अनुभागों का अनुमानित क्षेत्रफल लिखें ।
- (3) आयुर्वेदिक फार्माकोपिया ऑफ़ इंडिया के मानक मोनोग्राफ के क्या घटक होते हैं ?
- (4) आयुर्वेदिक औषधियों की सविर्यता अवधि निर्धारण के विभिन्न तरीकों का वर्णन करें ।

Q. No. 4: Describe the following.

निम्नलिखित का वर्णन करें ।

- (1) What are various techniques of Inventory Management in a dispensing Pharmacy?
- (2) Explain in short, various methods of extraction.
- (3) What are different regulations related to alcoholic drug preparations?
- (4) Rule 158 B of D & C Rules, 1945.

- (1) औषधि वितरण विभाग में उपयोग की जाने वाली विभिन्न सूचि प्रबंधन विधिओं का वर्णन करें ।
- (2) औषधि के निस्सारण की विभिन्न विधिओं का संक्षेप में वर्णन करें ।
- (3) आयुर्वेद में वर्णित संधान कल्पनों से सम्बंधित विभिन्न विनियमों का वर्णन करें ।
- (4) औषधि एवं प्रसाधन नियम, 1945 के अंतर्गत नियम 158 बी का वर्णन करें ।

**Part – II (भाग-II)**

**(60 Marks)**

Q. No. 5: Describe the following.

निम्न लिखित का वर्णन करें ।

- (1) What are methods of Kshetrikarana as per Ayurveda Prakash?
- (2) Enumerate the ingredients, Bhavana Dravyas and indications of Chandra Kala Rasa.
- (3) Write the method of Lohadi Rasayana preparation as per Acharya Charaka.
- (4) Explain herb drug interaction with suitable examples.

- (1) आयुर्वेद प्रकाश के अनुसार क्षेत्रीकरण की प्रक्रिया का वर्णन करें ।
- (2) चंद्रकला रस के घटक द्रव्य, भावना द्रव्य एवं प्रयोग का वर्णन करें ।
- (3) आचार्य चरक के अनुसार लोहादि रसायन की निर्माण विधि का वर्णन करें ।
- (4) उचित उदाहरण के साथ वनस्पति एवं औषधि की परस्पर क्रिया को समझाएं।

Q. No. 6: Describe the following.

निम्न लिखित का वर्णन करें ।

- (1) Write the ingredients, method of preparation and indications for Sheetal Parpati.
- (2) What are various pre-clinical methods/ models for evaluation of an ayurvedic formulation indicated for Madhumeha?
- (3) Write the ingredients, ratio and indications of Malla Sindura as per Siddha Bshhaja Mani Mala.
- (4) What could be the possible reasons for falsified reporting of toxicity of Ayurvedic formulations and how can you provide rebuttal?

- (1) शीतल पर्पटी के घटक द्रव्य, निर्माण प्रक्रिया एवं आमयिक प्रयोग का वर्णन करें ।
- (2) मधुमेह में निर्दिष्ट किसी आयुर्वेदीय औषधि को स्थापित करने वाले विभिन्न पूर्व नैदानिक पद्धतियों का वर्णन करें।
- (3) सिद्धभेषजमणिमाला के अनुसार मल्लसिंदूर के घटक द्रव्य, उनका अनुपात एवं आमयिक प्रयोग लिखें।
- (4) आयुर्वेदिक औषधियों की विषाक्तता की मिथ्या रिपोर्टिंग के संभावित कारण क्या हो सकते हैं और आप इसका खंडन कैसे कर सकते हैं?

Q. No. 7: Describe the following.  
निम्न लिखित का वर्णन करें ।

- (1) How is Aushadhi Patha Nischiti and Samyojana (formulation composition) carried out, explain with suitable example.
- (2) Mrita Sanjivani Sura.
- (3) Explain the method of preparation of Amrita Bhallataka.
- (4) What is Patra Paka and explain the utility of Sneha Murrchana?

- (1) औषध पाठ निश्चिती एवं समायोजन कैसे करते हैं, उचित उदहारण द्वारा स्पष्ट करें ।
- (2) मृत संजीवनी सुरा ।
- (3) अमृत भल्लातक की निर्माण विधि को लिखें ।
- (4) स्नेह मूर्च्छना के महत्त्व को प्रतिपादित करते हुए पत्र पाक को स्पष्ट करें ।

Q. No. 8: Describe the following.  
निम्न लिखित का वर्णन करें ।

- (1) What are the symptoms of Mercury Toxicity as per Bhaishajya Ratnavali and its management?
- (2) Explain the aims and objectives of Pharmacovigilance program in ASU & H Drugs.
- (3) Enumerate the ingredients and indication of Haridra Khanda.
- (4) Explain the method of preparation of Madhu Shukta.

- (1) भैषज्य रत्नावली के अनुसार पारद विषाक्तता के लक्षण एवं उपचार को लिखें ।
- (2) आयुष औषधियों के लिए फार्माकोविजिलेंस कार्यक्रम के लक्ष्य और उद्देश्य को लिखें ।
- (3) हरिद्रा खंड के घटक द्रव्य एवं आमयिक प्रयोग लिखें ।
- (4) मधु शुक्त की निर्माण विधि लिखें ।